

छात्र का नाम	:
कक्षा	: 8
विषय	: हिंदी
पाठ का नाम	: तेनालीराम की चतुराई
परियोजना कार्य की संख्या	: 2 (F.A-1)
कार्य का आवंटन	: सामूहिक / वैयक्तिक
उपकरण	: ग्रंथालय की किताबें, पेंसिल, रबड, स्केचपेन्स, रंगीन चार्ट आदि।



तेनालीराम की कहानियाँ बहुत ही रोचक होती हैं। आप ऐसी ही एक कहानी संकलित करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

तेनालीराम और अंगूठी चोर

एक समय की बात है, विजयनगर के राजा श्री कृष्णदेव राय अपने दरबार में बहुत उदास बैठे थे। उनकी कीमती रत्न जड़ी अंगूठी कहीं खो गई थी। राजा को शक था कि उनके अंगरक्षकों में से किसी ने अंगूठी चुराई है।

तेनालीराम ने राजा की परेशानी को समझा और एक योजना बनाई। उन्होंने सभी अंगरक्षकों को एक पंक्ति में खड़ा किया और कहा, “मेरे पास एक जादुई छड़ी है। यह छड़ी चोर को पहचान लेगी। जब मैं इस छड़ी को चोर के पास ले जाऊंगा, तो यह छड़ी लंबी हो जाएगी।”



सभी अंगरक्षक डर गए। तेनालीराम ने छड़ी को एक-एक करके सभी के पास ले जाना शुरू किया। जब छड़ी एक अंगरक्षक के पास पहुंची, तो वह अंगरक्षक बहुत घबरा गया और उसने तुरंत अंगूठी निकालकर राजा के सामने रख दी।

राजा कृष्णदेव राय तेनालीराम की बुद्धिमानी से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने तेनालीराम को इनाम दिया।

नीति : इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलता है कि बुद्धिमानी और चतुराई से किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकते हैं।



Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com



SCAN THIS CODE